

न्यायालय जिला कलक्टर, राजसमंद
(बाल मुकुन्द असावा, आई०ए०एस०, जिला कलक्टर द्वारा अध्यासित)

राजस्व अपील संख्या: 02/2024

दायर दिनांक: 19.01.2024

निर्णय दिनांक 08.04.2025

—: अनवान :-

श्री किशन लाल पिता श्री कालु जी, जाति जाट, उम्र 65 वर्ष, निवासी झोर, तहसील आमेट, जिला राजसमन्द (राज.)

— अपीलान्त

:: बनाम ::

राज्य सरकार जरिये श्रीमान् उप तहसीलदार महोदय, सरदारगढ़, तहसील आमेट, जिला राजसमन्द (राज.)

— रेस्पोजेन्ट

अपील अधीन धारा 75 भू-राजस्व अधिनियम विरुद्ध प्रकरण संख्या 01 सन् 2024, आदेश/निर्णय दिनांक 10/01/2024

उपस्थित:-

- 1- श्री गिरीशचन्द्र पुरोहित, अधिवक्ता अपीलान्त
- 2- श्री अनिल बागोरा, राजकीय अधिवक्ता रेस्पोजेन्ट

:: निर्णय ::

प्रकरण के सक्षिप्त में तथ्य इस प्रकार है कि अपीलार्थी ने अपील विरुद्ध प्रकरण संख्या 01/2024 निर्णय दिनांक 10.01.2024 अन्तर्गत धारा 75 भू राजस्व अधिनियम 1956 प्रस्तुत कर निवेदन किया कि अपीलान्त/विपक्षी अपने बाप-दादाओं के समय से ही अपनी खातेदारी जमीन राजस्व ग्राम झोर, तहसील आमेट, जिला राजसमन्द के आराजी संख्या 319 के सटमा 326, रकबा 0.2000 हैक्टेयर पर काबिज होकर काश्त करते आ रहे हैं तथा सन् 2003 में राजस्व अधिकारी पटवारी हल्का द्वारा अपीलान्त / विपक्षी को अतिक्रमण की जानकारी देने एवं नोटिस मिलने के पश्चात् अपीलान्त/विपक्षी द्वारा पेनल्टी राशि समय-समय पर निरन्तर जमा कराई जा रही हैं तथा वर्षों पुरानी चारो ओर बनी दीवार एवं फाटक लगी हो, अपीलान्त/विपक्षी एवं उसके पूर्व स्वामित्व, आधिपत्य एवं कब्जेशुदा उक्त भूमि पर काश्त करते आ रहे हैं उक्त नाजायज कब्जा की कार्यवाही रेस्पोजेन्ट द्वारा दिनांक 05/01/2024 को प्रारम्भ कर आगामी दिनांक 10/01/2024 को अपीलान्त/विपक्षी को बिना सूचना एवं सुने एकतरफा कार्यवाही कर इसी दिनांक को बिना सुने बिना कोई जवाब लिये निर्णय दिनांक 10/01/2024 को पारित किया, जिसके विरुद्ध निम्न आधारों पर अपील प्रस्तुत हैं। अपीलान्त/विपक्षी का ग्राम झोर, पटवार हल्का झोर, तहसील आमेट, जिला राजसमन्द में 50 वर्षों से भी

Q

अधिक समय से अपने पूर्वजों के समय से अपनी आराजी संख्या 319 के सटमा आराजी संख्या 326 में से रकबा 0.2000 हैक्टेयर भूमि पर अपीलान्ट/विपक्षी वर्षों से काबिज होकर वर्षों पूर्व पत्थर की दीवार बनी होकर अपीलान्ट/विपक्षी कृषि कार्य करता आ रहा था। अपीलान्ट/विपक्षी ने उक्त कब्जेशुदा आराजी जो पूर्व में मौके पर उबड़-खाबड़ एवं कंकरीट थी, जिसमें उपजाऊ मिट्टी का काफी भराव लाखों रूपयें खर्च कर उक्त भूमि को उपजाऊ बनाया और उक्त भूमि का समतलीकरण करा करीब 24 वर्ष पूर्व उक्त भूमि पर सिंचाई हेतु ट्यूबवेल खुदवाई गई हैं, उक्त आराजी संख्या 326 में वर्णित क्षेत्रफल के अलावा भूमि पर अपीलान्ट/विपक्षी का कोई सम्बन्ध नहीं हैं। सन् 2003 में अपीलान्ट/विपक्षी को आराजी संख्या 326 पर 0.2000 हैक्टेयर भूमि पर अतिक्रमी मानते हुए नोटिस धारा 91 के तहत दिया गया, जिस पर अपीलान्ट/विपक्षी ने उक्त कब्जेशुदा भूमि का नियमन करने के लिए पटवारी हल्का को कार्यवाही के लिए मौखिक कई बार बताया तथा उसके पश्चात् वर्ष, 2003 से अपीलान्ट/विपक्षी से रेस्पोजेन्ट द्वारा धारा 91 की कार्यवाही के नोटिस कई बार दिये गये। परन्तु अपीलान्ट/विपक्षी, जो कि बिल्कुल छोटा काश्तकार हैं तथा अपीलान्ट/विपक्षी एवं उसका पुरा परिवार कृषि की आय पर ही निर्भर हैं ओर अपीलान्ट/विपक्षी अनपढ़ होकर अपने पूर्वजों के समय से उक्त भूमि पर ही खेती-बाड़ी करके अपना व अपने परिजनों का पालन-पोषण कर रहा हैं। अपीलान्ट/विपक्षी के द्वारा वर्षों, जो फसलें बोई गई हैं, उसका विवरण भी अधीनस्थ पटवार हल्का एवं उप तहसीलदार, सरदारगढ़ के रिकॉर्ड में विद्यमान हैं तथा आज भी रचका की फसल अपीलान्ट/विपक्षी की मौके पर उक्त भूमि पर खड़ी हैं तथा अपीलान्ट/विपक्षी के पशु गाय-भैंसे उक्त रचका की फसल पर ही निर्भर है। अपीलान्ट/विपक्षी को अधीनस्थ न्यायालय द्वारा बिना सुने एवं बिना स्थिति देखे एवं बिना मौके की रिपोर्ट देखे बिना विधि-विरुद्ध बेदखल आदेश/निर्णय पारित किया, जो अपास्त योग्य हैं। अधीनस्थ न्यायालय/रेस्पोजेन्ट द्वारा दिनांक 05/01/2024 को नाजायज कब्जा की कार्यवाही पटवारी हल्का की रिपोर्ट दिनांक 02/01/2024 के अनुसार प्रारम्भ की, जिसकी विधिवत् अपीलान्ट/विपक्षी को तामिल एवं जवाब लिये बिना अगली दिनांक 10/01/2024 को ही पत्रावली अपीलान्ट/विपक्षी को सुने बिना निर्णय दिनांक 10/01/2024 का एक तरफा कार्यवाही का पारित कर कानूनन भारी भूल की हैं, जो अपीलान्ट/विपक्षी को विधिवत् सूचना दिये बिना एवं बिना सुरे पारित किया गया हैं, जो काबिल खारिज हैं। पूर्व में भी अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्ट/विपक्षी को दिनांक 01/03/2023 को पुरानी नीलामी की राशि 750/- पुस्तक संख्या 086960, रसीद संख्या 0010 के अनुसार प्राप्त की तथा रसीद संख्या 009 द्वारा 50/- प्राप्त किये गये। उसके बाद दिनांक 11/04/2023 को पटवारी हल्का द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने की जानकारी देने पर अपीलान्ट/विपक्षी द्वारा दिनांक 12/04/2023 को अधीनस्थ न्यायालय में आवेदन देकर नकल प्राप्त दिनांक 12/04/2023 को प्राप्त होते ही अविलम्ब यह अपील प्रस्तुत की थी, जो विचाराधीन हैं। अतः श्रीमान् से निवेदन हैं कि अपील अपीलान्ट/विपक्षी स्वीकार फरमाई जाकर प्रकरण संख्या 01/2024 में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 10/01/2024 को अपास्त किया जावें।



ॐ

अधिवक्ता अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत अपील को दर्ज रजिस्टर किया जाकर रेस्पोजेन्ट को जरिये सम्मन तलब किया गया अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की गई। रेस्पोजेन्ट की ओर से राजकीय अधिवक्ता श्री अनिल बागोरा उपस्थित हुए।

अधिवक्ता अपीलान्त ने आईन्दा बहस हेतु अवसर चाहा, जिसे अस्वीकार किया गया। अधिवक्ता अपीलान्त ने निवेदन किया कि प्रकरण गुणावगुण के आधार पर निर्णित किया जावे। राजकीय अधिवक्ता ने एकपक्षीय बहस हेतु निवेदन किया। जिस पर राजकीय अधिवक्ता की एकपक्षीय बहस सुनी गयी।

राजकीय अधिवक्ता ने बहस में निवेदन किया है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित किया गया आदेश विधिसम्मत है। अपील आधारहीन होने से खारिज फरमायी जावें।


मैंने राजकीय अधिवक्ता की एकपक्षीय बहस पर गहन मनन किया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेखों का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। व प्रकरण में गुणावगुण के आधार पर विचार किया गया। अधीनस्थ न्यायालय उपतहसीलदार सरदारगढ़ की पत्रावली का अवलोकन करने पर पाया कि पटवारी हल्का झौर ने अपीलार्थी किशन लाल पिता कालू जाट के विरुद्ध इस आशय की रिपोर्ट प्रस्तुत की, कि राजस्व ग्राम गोवलिया की बिलानाम भूमि आराजी संख्या 326 रकबा 0.5100 हैक्टेयर किस्म बंजड़ में से 0.2000 हैक्टेयर भूमि पर किशन लाल पिता कालू जाट ने अनाधिकृत कब्जा किया है। जिससे इनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करावे। पटवारी हल्का झौर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा दिनांक 05.01.2024 को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत प्रकरण दर्ज कर अतिक्रमी किशन लाल पिता कालू जाट को दिनांक 10.01.2024 को सुनवाई हेतु नोटिस जारी किया गया। परन्तु अतिक्रमी को जारी नोटिस बाद/अदम तामील अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली में संलग्न नहीं है। नियत पेशी दिनांक के दिन अतिक्रमी को उपस्थित बता रखा है उपस्थित स्वरूप पत्रावली में अंगुठा निशानी अंकित है। उक्त अंगुठा निशानी किस व्यक्ति की है, उसका अंकन नहीं किया गया जिससे स्पष्ट नहीं है कि नियत पेशी दिनांक अपीलार्थी किशन लाल पिता कालू जाट उपस्थित हुआ अथवा नहीं। अपीलार्थी को अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जवाब प्रस्तुत करने हेतु अवसर भी नहीं दिया गया एवं नियत पेशी दिनांक को ही अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रकरण निर्णित कर दिया गया।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर न्यायालय का यह निष्कर्ष है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलार्थी को जवाब/साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दिये बिना ही अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रथम पेशी दिनांक को ही निर्णय पारित कर दिया गया। जिससे स्पष्ट है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा न्यायिक प्रक्रिया की समुचित पालना नहीं की गई है। अतः अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय में न्यायिक प्रक्रिया की समुचित पालना नहीं किये जाने से अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।



::आदेशः

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील को स्वीकार कर अधीनस्थ न्यायालय उपतहसीलदार सरदारगढ़ द्वारा पारित निर्णय दिनांक 10.01.2024 को अपास्त किया जाता है तथा उपतहसीलदार सरदारगढ़ को प्रकरण प्रतिप्रेषित (Remand) कर निर्देशित किया जाता है कि प्रकरण में अपीलार्थी को सुनवाई का समुचित अवसर दिया जाकर व न्यायिक प्रक्रिया की पूर्ण पालना की जाकर प्रकरण में नये सिरे से निर्णय पारित करे। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली मय निर्णय की प्रति उपतहसीलदार सरदारगढ़ को लौटायी जावे।


(बाल मुकुन्द असावा)
जिला कलक्टर
राजसमंद

निर्णय आज दिनांक: 08.04.2025 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(बाल मुकुन्द असावा)
जिला कलक्टर
राजसमंद